

16/19

B.A. (Part-I) Examination, 2016**HINDI LITERATURE****Second Paper**

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three Hours / [Maximum Marks : 100

नोट : सभी खण्डों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

खण्ड - अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस प्रश्न के सभी भागों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक भाग का

उत्तर 50 शब्दों में अपेक्षित है। $10 \times 2 = 20$

1. (i). 'पूस की रात' में निहित संदेश का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।
- (ii) 'आकाशदीप' का प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।
- (iii) उपन्यास और कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

(iv) हिन्दी कहानी की विकास यात्रा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(v) मञ्जू भण्डारी के दो नाटकों का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) "चीफ की दावत" कथा का मूल्यांकन कीजिए।

(vii) "राग दरबारी" शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(viii) अज्ञेय के साहित्य सम्बन्धी विचार आज के संदर्भ में कितना प्रासंगिक है? स्पष्ट कीजिए।

(ix) निर्मला के पति की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

(x) "पच्चीस चौका डेढ़ सौ" के शीर्षक का औचित्य बताते हुए कहानीकार का नामोल्लेख भी कीजिए।

खण्ड - ब

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग

200 शब्दों में अपेक्षित है। $5 \times 10 = 50$

2. निम्नलिखित गद्यांश की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :
वर्तमान शिक्षा पद्धति रास्ते में पड़ी हुई कुतिया है, जिसे कोई

16/19

(3)

भी लात मार सकता है। ड्राइबर भी उस पर रास्ता चलते चलते एक जुम्ला मारकर चपरासी के साथ ट्रक की ओर चल दिया।

अथवा

थोड़ी देर में अलाव जल उठा। उसकी लौ ऊपर वाले वृक्ष की पत्तियों को छू-छूकर भागने लगी। उस अस्थिर प्रकाश में बगीचे के विशाल वृक्ष ऐसे मालूम होते थे मानों उस अथाह अंधकार को अपने सिरों पर संभाले हुए हों। अंधकार के उस अनन्त सागर में यह प्रकाश एक नौका के समान हिलता, मचलता हुआ जान पड़ता था।

3. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

पर यह कौन जानता था कि यह सारी लीला विधि के हाथ रची जा रही है। जीवन रंगशाला का वह निर्दय सूत्रधार किसी अगम गुप्त स्थान पर बैठा हुआ अपनी जटिल कूर क्रीड़ा दिखा रहा है। यह कौन जानता था कि नकल-असल होने जा रही है। अभिनय सत्य का रूप ग्रहण करने वाला है।

16/19

P.T.O.

(4)

अथवा

इतना जल ! इतनी शीतलता ! हृदय की प्यास न बुझी? नहीं तो जैसे वेला से चोट खाकर सिन्धु चिल्ला उठता है। उसी के समान रुदन करूँ? या जलते हुए स्वर्ग-गोलक के सदृश्य जल में डूबकर बुझ जाऊँ। चम्पा के देखते-देखते पीड़ा और ज्वलन से आरक्त विम्ब धीरे-धीरे सिन्धु में चौथाई, आधा, फिर सम्पूर्ण विलीन हो गया।

4. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

दोपहर में उस घर के सूने आँगन में पैर रखते ही मुझे ऐसा जान पड़ा, मानों उस पर किसी शाप की छाया मँडरा रही हो, उसके वातावरण में कुछ ऐसा अकथ्य, अस्पृश्य किन्तु फिर भी बोझिल और प्रकम्यमय और घना-सा फैला रहा था -----

अथवा

सामने के फूलदान का सूनापन मेरे मन के सूनापन को और अधिक बढ़ा देता है। मैं कसकर आँखें मूद लेती हूँ। -- एक बार

16/19

(5)

फिर मेरी आँखों के आगे लेक का स्वच्छ, नीला जल उभर आता है, जिसमें छोटी-छोटी लहरें उठ रही थी। उस जल की ओर देखते हुए निशीध की आकृति उभर कर आती है। वह लाख जल की ओर देखे, पर चेहरे पर अंकित उसके मन की हलचल को मैं, आज भी, इतनी दूर रहकर भी महसूस करती हूँ। कुछ न कह पाने की मजबूरी, उसकी विवशता, उसकी घुटन आज भी मेरे सामने साकार हो उठती है।

5. निर्मला उपन्यास में स्त्री जीवन की विडम्बना। मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। <https://www.vbspustudy.com>

अथवा

औपन्यासिक कला की दृष्टि से "राग दरबारी" की समीक्षा कीजिए।

6. प्रेमचन्द की कहानी कला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

राग दरबारी में चित्रित लोक संस्कृति पर विचार व्यक्त कीजिए।

16/19

P.T.O.

(6)

खण्ड - स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में अपेक्षित है। $2 \times 15 = 30$

7. मध्यवर्गीय जीवन के परिप्रेक्ष्य में निर्मला उपन्यास के कथ्य की समीक्षा कीजिए।
8. श्रीलाल शुक्ल अथवा अज्ञेय की कथाभाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
9. ओम प्रकाश वाल्मीकी और दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र की समीक्षा कीजिए।
10. राजा निरबंसिया शीर्षक की सार्थकता प्रकाशित करते हुए राजा निरबंसिया की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।
11. यही सच है। के उद्देश्य को प्रतिपादित कीजिए।

16/19

<https://www.vbspustudy.com>

(7)

12. रोज कहानी में "ग्राम जीवन के वातावरण-चित्रण के साथ जीवित मूल्यों की छवियों का भी अंकन है"- विवेचन कीजिए।

<https://www.vbspustudy.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से